

13.6.118 पत्रावली राज्य लोक अदालत आधीदा
 मे काल लेवा केन्द्र - गा. जे. लड. जिनधी
 मे चेरा डरी। वनील धार्मी उप.
 विधार्मी रु. 3 अतिम। शेष विधार्मी
 अनुपस्थित 4 अनुपस्थ वी कहल सुनी
 गई। वनील धार्मी वी कहल है,
 कि धार्मी वी स्वामी रत्नेदारी आदि
 सात- लड. अदर पिड वी रत्नेदारी लंबवत
 1931/2 रकबा 2 बीघा वी अडि इडि इ
 धार्मी को अपनी रत्नेदारी शर्मे मे
 के होत सरकारी काला कइत तत
 अति जाते हेतु विधार्मी जे. 1 व 2 वी
 रत्नेदारी शर्मे के कदीपी रात्रे मे मे
 आन जान वेता है लीने धार्मी
 अतरे काल जे अपोग मे ले रत्ने
 इस कारण धार्मी को ख. जि. 192 मे
 के रत्ने अति जाते। जो लडकीलडा
 की रिपोर्ट के अनुपात धार्मी का
 आवेदन लीकाल किया जावे।

अध्यक्ष कलेक्टर
 SDC मिणधरी

की को
जारी है

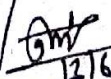
इसने उद्योगपत्र की सहक पर मत
 विदा तथा पत्रावली व संलग्न प्रोका
 रिपोर्ट का अध्ययन किया। उक्त विद्यार्थी
 सि. 1 व 2 की को ले दिनांक 12.6.11
 को उल्लेखित पत्रावली को शामिल कर
 अवलोकन किया गया। तबसे वादा, कि
 छात्रों द्वारा अपनी स्वतंत्रता रखते हुए
 प्राप्त एड. ~~विद्यार्थी~~
 अमर सिंह
 193/2 स्कूल 2 की छात्रों में ले
 हेमल आने जाने हेतु विद्यार्थी सि. 1 व 2
 की स्वतंत्रता / सम्मानित रखी है। आरक्षित
 छात्रों सहित संख्या 192 में ले रास्ता
 आता गया है जबकि N.T सिग्नल
 की रिपोर्ट में ऐसा कोई रूपले उक्त
 बात कारण नहीं बताया गया है, कि
 छात्रों को उल्लेखित रास्ते की अति-
 आवश्यक है। उक्त आने जाने हेतु कल्प
 कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं हो। यद्यपि
 संख्या 192 की छात्रों से सिग्नल
 कार्यवाही पक्की डाक्टर साहब को हुई है।
 यद्यपि विद्यार्थी सि. 1 व 2 द्वारा अपने पत्र
 में उल्लेखित किया गया, कि छात्रों द्वारा
 विद्यार्थी सि. 1 व 2 की छात्रों से छात्रों द्वारा
 रास्ते का निर्माण कर उक्त रास्ते
 के दोनों छोर पर 8 ले 10 पीछे लगाकर

सहायक कलेक्टर
 SDC सिन्धुदरी

इसो ले गोलाकार ~~निधि~~ परिधि लेनी
 बना रखी है वर्तमान मासू रोड के
 दोनों तरफ लगभग 100 जीएल लम्बाई
 में बाइ रेंव कासींग बनाकर अतिरिक्त
 कर रखा है। इससे रूपए है कि
 डायी हलगत आवेदन के व्यक्ति जिसे
 जो अतिरिक्त को राले के रूप में
 बदलना चाह रहा है जो सिविल
 संगत नहीं है। इस प्रकार वाणी का
 आवेदन से कोई कारभूत तमप लीधि
 नहीं होने के कारण स्वीकार योग्य नहीं
 है क्योंकि डायी द्वारा बना कोई होल
 तमप - मया दस्तावेजी साक्ष्य पेटा नहीं किया
 गया है। तबले यह उदासीन है, कि राले
 अति आवश्यक है। क्योंकि सिडायी लि. 192
 के अवाकडुना डायी इसा करकारी शक्ति
 पर अतिरिक्त कर रखा है। 220 एका
 डायी का आवेदन तैल्ल मोप है।

अतः डायी का आवेदन कारभूत
 तमपों के आधार पर होने के कारण
 स्वीकार किया जाता है।

आपको आप सुगना गणी
 पत्रावली / फेल्ल सुगा लेका
 वास्तविक दफ्तर है।


 12/6/17
 महायक कलेक्टर
 SDC सिडायी